राजस्थान समसामयिकी

जून, 2025

संजीव वेबसाइट से नि:शुल्क डाउनलोड करें
राजस्थान, राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय समसामयिकी (प्रत्येक माह)
साथ ही संजीव वेबसाइट से आप E-Book भी खरीद सकते हैं।
visit us at : www.sanjivprakashan.com

राजस्थान समसामयिकी जून, 2025
(Current News from Daily Newspapers)

Newspaper of 3 June, 2025

■ **राजस्थान में पहली बार 41 जिलों के आधार पर वोटर लिस्ट बनेगी–**

प्रदेश में पहली बार मतदाता सूची प्रकाशन में 41 जिलों की अलग-अलग सूचियाँ तैयार होंगी। इससे पूर्व प्रदेश के 33 जिलों को ही आधार मानकार मतदाता सूचियों के प्रकाशन पर काम होता आया है। प्रदेश में पिछली सरकार के समय नए जिलों का गठन होने के बावजूद भी 33 जिलों को ही आधार मानकर निर्वाचन विभाग सूचियाँ प्रकाशन करता रहा। यह भी पहला मौका है जबकि प्रत्येक जिले में निर्वाचन अधिकारियों की अलग-अलग नियुक्तियाँ हुई हैं जो सूची प्रकाशन का काम करेंगे। निर्वाचन विभाग की तरफ से इस मामले में गजट नोटिफिकेशन का प्रोसेस पूरा कर लिया गया है।

1 जुलाई तक करना होगा इंतजार–

नाम जुड़वाने के लिए जनवरी के स्थान पर साल में 4 बार 1 जनवरी, 1 अप्रैल, 1 जुलाई और 1 अक्टूबर का समय निर्धारित किया जा चुका है।

नए 8 जिलों में वोटर अस्तित्व में आएंगे–बालोतरा, ब्यावर, डीग, खैरथल-तिजारा, कोटपूतली-बहरोड़, डीडवाना-कुचामन, फलौदी और सलूंबर में जिले के आधार पर अब वोटर अस्तित्व में आएंगे।

प्रदेश के वोटरों का गणित–

- कुल मतदाता – 5,45,69,501
- पुरुष मतदाता – 28246146
- महिला मतदाता – 26322684
- 18-19 वर्ष के वोटर – 1482179

Newspaper of 4 June, 2025

■ **हाल ही में विश्व प्रसिद्ध 'नागौरी पान मैथी' को केन्द्र सरकार ने गजट नोटिफिकेशन जारी करते हुए मसाला बोर्ड की मसाला सूची में शामिल कर लिया है। अब तक भारत सरकार के मसाला बोर्ड की सूची में 52 मसाला फसलें शामिल थीं। अब नागौरी मैथी को 53वें नंबर पर इस श्रेणी में शामिल किया गया है।**

Newspaper of 5 June, 2025

■ **राजस्थान के दो स्थलों खींचन (फलौदी) और मेनार (उदयपुर) को अन्तरराष्ट्रीय महत्त्व के वैटलैण्ड 'रामसर' स्थलों की सूची में शामिल किया गया–**

- 4 जून, 2025 को राजस्थान के 2 नए वेटलैण्ड अब रामसर स्थलों की सूची में शामिल हुए है। इनमें फलौदी जिले का खींचन और उदयपुर का मेनार शामिल है।
- **खींचन**–ग्रेट इण्डियन बस्टर्ड के लिए प्रसिद्ध है। कुरजाँ पक्षी के प्रवास के लिए भी जाना जाता है। (अर्द्ध शुष्क वेटलैण्ड)
- **मेनार :** जुड़वा झीलें मेनार व बड़ी मेनार, पक्षी विविधता, बर्ड विलेज के नाम से मशहूर हॉट-स्पॉट है।
- राजस्थान में अब 4 रामसर स्थल हो गए हैं। इससे पहले 'सांभर झील' 1990 (जयपुर) और 'केवलादेव पक्षी अभयारण्य' 1981 (भरतपुर) इसमें शामिल थे।

Newspaper of 6 June, 2025

■ **जून, 2025 में राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने प्रोफेसर डॉ. भगवती प्रसाद सारस्वत को कोटा विश्वविद्यालय, कोटा का नया कुलगुरु नियुक्त किया है। यह नियुक्ति खोजबीन समिति की सिफारिश एवं राज्य सरकार के परामर्श से की गई है। प्रो. सारस्वत कार्य ग्रहण करने की तिथि से 3 वर्ष की अवधि तक या उनकी आयु 70 वर्ष पूर्ण होने तक जो भी पहले हो कुलगुरु के पद पर कार्यरत रहेंगे।**

गौरतलब है कि प्रो. सारस्वत महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर में वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष एवं डीन के रूप में कार्य कर चुके हैं।

■ **5 जून, 2025 को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने वर्चुअल रूप से जयपुर की तीसरी लेपर्ड सफारी 'बीड़ पापड़ लेपर्ड सफारी' का शुभारम्भ किया–**

'बीड़ पापड़ लेपर्ड सफारी' का जयपुर शहर के विद्याधर नगर के निकट स्थित 22 किमी. लम्बा ट्रैक है। गौरतलब है कि जयपुर पाँच सफारियों वाला देश का एकमात्र शहर है। झालाना और आमगढ़ के बाद यह जयपुर की तीसरी लेपर्ड सफारी है।

संजीव प्रकाशन, जयपुर
website : www.sanjivprakashan.com

Newspaper of 8 June, 2025

■ **राजस्थान की पहली इलेक्ट्रिक डबल डेकर बोट पिछोला झील में उतारी गयी; पैंटून तकनीक से बनी है–**

लेकसिटी उदयपुर में पहली बार डबल डेकर लग्जरी बोट पिछोला झील में उतारी गई है। यह देश की भी पहली इलेक्ट्रॉनिक डबल डेकर बोट बताई जा रही है। हालांकि, परिवहन विभाग ने अभी इसकी ऊपर की मंजिल पर यात्रियों को बैठाने की अनुमति नहीं दी है। यह बोट 'पैंटून' तकनीक से बनी है। ऐसे में यह बोट आँधी-तूफान में भी स्थिर और सुरक्षित बनी रहेगी। इस बोट में अभी 25 यात्रियों की बैठक क्षमता को मंजूरी दी गई है। इसी के साथ एक अन्य 20 सीटर इलेक्ट्रिक बोट भी उतारी गई है। 7 जून, 2025 को सांसद मन्नालाल रावत ने इसका उद्घाटन किया।

Newspaper of 11 June, 2025

■ **केन्द्र सरकार ने सोलर एनर्जी का स्टोरेज करने के लिए राजस्थान को 4 हजार मेगावाट क्षमता का बैटरी स्टोरेज आवंटित किया–**

10 जून, 2025 को केन्द्र सरकार ने राजस्थान को 4 हजार मेगावाट क्षमता की बैटरी स्टोरेज के आवंटन की स्वीकृति दे दी है। इससे प्रदेश में ज्यादा से ज्यादा सोलर एनर्जी को स्टोर किया जा सकेगा। इस बिजली को पीक ऑवर्स में उपयोग कर पाएंगे। जिससे बिजली संकट और उस दौरान महंगी बिजली खरीदने की स्थिति से बड़ी राहत मिलेगी इसकी लागत प्रति मेगावाट करीब 2 करोड़ रुपए आंकी गई है। इसमें विद्युत मंत्रालय वायबिलिटी गैप फंडिंग करेगा, जो करीब 18 लाख रुपए प्रति मेगावाट होगा। ऐसे में 720 करोड़ रुपये की सहायता मिलेगी। उल्लेखनीय है कि राज्य विद्युत उत्पादन निगम दो हजार मेगावाट स्टोरेज पर पहले से काम कर रहा है।

Newspaper of 13 June, 2025

■ **राजस्थान पुलिस महानिदेशक यू. आर. साहू को राजस्थान लोकसेवा आयोग (RPSC) का नया अध्यक्ष बनाया–**

10 जून, 2025 को राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने आदेश जारी कर राजस्थान पुलिस महानिदेशक यू.आर. साहू को राजस्थान लोक सेवा आयोग (RPSC) का नया अध्यक्ष नियुक्त किया है। 12 जून, 2025 को यू.आर. साहू ने RPSC कार्यालय में कार्यग्रहण किया। यू.आर. साहू RPSC के 39वें अध्यक्ष बने हैं। गौरतलब है कि RPSC 7 सदस्य व 1 अध्यक्ष सहित कुल 8 सदस्यीय आयोग है। इसकी स्थापना 22 दिसम्बर, 1949 को अजमेर में हुई।

Newspaper of 14 June, 2025

■ **हाल ही में पोप लियो 14 के कथन अनुसार दिवंगत कार्लो अक्यूस को 7 दिसम्बर, 2025 को पहला मिलेनियल संत बनाया जाएगा। कार्लो साल 2000 के बाद पहले ऐसे मिलेनियल होंगे, जिन्हें संत का दर्जा मिलेगा। कार्लो की मौत सिर्फ 12 साल की उम्र में 2006 में ब्लड कैंसर के कारण हुई थी। वे चर्च में बच्चों को धार्मिक बातें सिखाते थे और गरीबों की मदद भी किया करते थे।**

Newspaper of 18 June, 2025

■ **जयपुर को खेल के क्षेत्र में मिली तीन बड़ी सौगात; बगरू में स्टेडियम, अचरोल में महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी और SMS के पास स्पोर्ट्स कॉलेज बनेगा–**

जयपुर अब स्पोर्ट्स एजुकेशन और ट्रेनिंग का नया केन्द्र बनने जा रहा है। राज्य सरकार से जयपुर को खेल के क्षेत्र में एक साथ 3 बड़ी सौगात मिली हैं। इनमें स्टेडियम, स्पोर्ट्स कॉलेज और यूनिवर्सिटी शामिल हैं। बगरू में मल्टीपर्पज संभाग स्तरीय खेल स्टेडियम बनेगा। वहीं, अचरोल क्षेत्र में महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी बनाई जाएगी। यह राजस्थान की पहली ऐसी यूनिवर्सिटी होगी, जहाँ खेलों को लेकर डिग्री कोर्स, कोचिंग और रिसर्च तक की सुविधाएँ मिलेंगी। स्पोर्ट्स काउंसिल को इन दोनों के लिए जेडीए से जमीन मिल चुकी है। जल्द ही काम शुरू होगा। स्पोर्ट्स कॉलेज के लिए जेडीए से जमीन अलॉटमेंट की प्रक्रिया चल रही है। पहले यह कॉलेज फागी तहसील के चित्तौड़ा गाँव में बनना था, लेकिन एसएमएस स्टेडियम से काफी दूर होने की वजह से स्पोर्ट्स काउंसिल ने यह अलॉटमेंट कैंसिल कर दिया। अब एसएमएस स्टेडियम के नजदीक ही कॉलेज के लिए जमीन तलाशी जा रही है।

7.66 हैक्टेयर में बनेगा स्टेडियम–बगरू के बड़ी का खेड़ा में यह मल्टीपर्पज स्टेडियम बनाया जाएगा। जेडीए ने इसके लिए 7.66 हैक्टेयर जमीन अलॉट की है। यह संभाग स्तरीय स्टेडियम रहेगा। इसमें एसएमएस स्टेडियम की तरह सभी गेम्स के ग्राउंड तैयार किए जाएंगे। एसएमएस से बगरू स्टेडियम की दूरी करीब 30 किमी. रहेगी।

इन राज्यों में हैं स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी–

- **नेशनल स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी मणिपुर-इम्फाल** : 2018

संजीव प्रकाशन, जयपुर
website : www.sanjivprakashan.com

में स्थापना हुई। संभवत: यह देश की पहली पूर्ण स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी है, जहाँ स्पोर्ट्स से जुड़े सभी कोर्स हैं।

- **स्वर्ण भारत स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी मेरठ, उत्तर प्रदेश :** 2022 में निर्माण शुरू हुआ था। 100 एकड़ में बनाई जा रही है। ओलिंपिक स्तर के एथलीटों को प्रशिक्षित किया जाएगा।
- **हरियाणा स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी, राई (सोनीपत) :** 2019 में स्थापना हुई। यहाँ हरियाणा सरकार का कुश्ती और मुक्केबाजी पर फोकस है।
- **तमिलनाडु फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी, चेन्नई :** 2005 में स्थापना। स्पोर्ट्स एजुकेशन और स्पोर्ट्स साइंस पर फोकस।

Newspaper of 19 June, 2025

■ **बूँदी में प्रदेश की पहली सोलर लिफ्ट सिंचाई परियोजना से 17 गाँवों के 25 हजार बीघा खेतों में होगी सिंचाई–**

बूंदी जिला मुख्यालय से 46 किमी दूर लोहली गाँव में मेज नदी पर 52 करोड़ की प्रदेश की पहली सोलर लिफ्ट सिंचाई परियोजना का लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने लोकार्पण किया। इस योजना से फोलाई व गेंडौली पंचायत के 17 गांवों के 25 हजार बीघा खेतों को सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी। किसानों को अब खरीफ-रबी की फसलों के लिए मेज नदी से पानी मिलेगा।

■ **तंबाकू, सिगरेट व गुटका बेचने के लिए लाइसेंस लेना अनिवार्य–**

राजस्थान में तंबाकू उत्पाद जैसे बीड़ी, सिगरेट, जर्दा और गुटखा बेचने के लिए लाइसेंस लेना अनिवार्य कर दिया गया है। इसके लिए लाइसेंस नगर निगम, नगर परिषद् या नगर पालिका देंगी। इस संबंध में यूडीएच मंत्री झाबरसिंह खर्रा ने सैद्धांतिक सहमति दे दी है। लाइसेंस लेने वाले विक्रेता को सालाना 1 हजार रुपए लाइसेंस शुल्क देना होगा। जयपुर में 46 हजार और प्रदेश में 2 लाख तंबाकू उत्पादों व गुटखा-पान के विक्रेता हैं। जयपुर में 20 हजार विक्रेता मेन रोड और प्रमुख चौराहों पर हैं। जुलाई-अगस्त से जयपुर, जोधपुर, सीकर, अलवर, उदयपुर, बीकानेर, कोटा, अजमेर, ब्यावर, नागौर से लाइसेंस आवंटन की शुरुआत की जाएगी।

उल्लेखनीय है कि लाइसेंसधारक 18 साल से छोटे बच्चों को तंबाकू उत्पाद बेचेगा तो उसके लिए सजा का प्रावधान होगा। स्कूल, अस्पताल, बस अड्डे के 100 मीटर में गुटखा उत्पाद नहीं बेच सकेंगे।

■ **वर्ष 2025 के साहित्य अकादमी युवा और बाल साहित्य पुरस्कारों की घोषणा की गई–**

18 जून, 2025 को वर्ष 2025 के साहित्य अकादमी युवा और बाल साहित्य पुरस्कारों की घोषणा की गई।

राजस्थान के पुरस्कृत होने वाले साहित्यकार–

बाल साहित्य पुरस्कार– भोगीलाल पाटीदार (बांसवाड़ा)
कृति–''पंखेरू नी पीड़ा''

युवा साहित्य पुरस्कार– पूनमचंद गोदारा (बीकानेर)
कृति–''अंतस रै आंगणे''

Newspaper of 21 June, 2025

■ **तम्बाकू नियंत्रण में राजस्थान देश में अव्वल, बेस्ट परफॉर्मेंस अवॉर्ड मिला–**

हाल ही में तम्बाकू नियंत्रण के क्षेत्र में राजस्थान ने देशभर में पहला स्थान प्राप्त करते हुए राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम में 'बेस्ट परफॉर्मेंस अवॉर्ड' हासिल किया है। 20 जून, 2025 को यह पुरस्कार नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय समारोह में प्रदान किया गया। राजस्थान में 24 सितंबर को टोबेको फ्री यूथ कैंपेन 2.0 की शुरुआत की गई थी, जिसके तहत ग्राम स्तर तक व्यापक जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। अन्य कई गतिविधियों के परिणामस्वरूप प्रदेशभर में तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक संचालन हुआ।

■ **राजस्थान में 'वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान' संपन्न हुआ करोड़ों लोगों की भागीदारी रही–**

5 से 20 जून, 2025 तक राजस्थान में जल संरक्षण को जन आंदोलन बनाने के उद्देश्य से 'वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान' का आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने विश्व पर्यावरण दिवस पर जयपुर के रामगढ़ बाँध से इसकी शुरुआत की और जैसलमेर की गड़ीसर झील पर इसका समापन किया। इस अभियान में व्यापक जन-भागीदारी देखी गई जिसमें लगभग 2.53 करोड़ नागरिकों ने हिस्सा लिया। इस दौरान प्रदेश भर में 42,200 से अधिक जल स्रोतों की साफ-सफाई की गई, 5900 नए कार्यों का शुभारंभ हुआ और लोगों ने 1 लाख से अधिक स्थानों पर श्रमदान किया।

अभियान के नोडल विभाग, जलग्रहण विकास एवं भू-संरक्षण विभाग के अनुसार सरकार ने 'कर्मभूमि से मातृभूमि' अभियान के तहत अगले चार वर्षों में लगभग 45,000 नई जल संरक्षण संरचनाएँ बनाने का लक्ष्य भी रखा है।

Newspaper of 22 June, 2025

■ **21 जून, 2025 को राज्य स्तरीय ''अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस'' का आयोजन जैसलमेर में किया गया–**

संजीव प्रकाशन, जयपुर
website : www.sanjivprakashan.com

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के मुख्य आतिथ्य में राज्य स्तरीय अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन खुहड़ी सैंड ड्यून्स (जैसलमेर) में किया गया। इस अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस पर नगर निगम जयपुर ग्रेटर की महापौर सौम्या गुर्जर को राज्य सरकार ने ब्राण्ड एम्बेस्डर बनाया। 11वें योग दिवस की थीम–'एक पृथ्वी-एक स्वास्थ्य के लिए योग' है।

■ **हाल ही में जारी विभिन्न वित्तीय व सामाजिक मानकों पर आधारित 'केयर एज' रिपोर्ट में राजस्थान को देश के सभी (17) बड़े राज्यों में 12वाँ स्थान मिला है। यह रिपोर्ट राज्यों की आर्थिक राजकोषीय, वित्तीय इन्फ्रास्ट्रक्चर, सामाजिक, गवर्नेंस व पर्यावरणीय स्थिति का आकलन करती है।**

- ◆ कम्पोजिट स्कोर – 12वाँ
- ◆ राजकोषीय – 14वाँ
- ◆ सामाजिक – 12वाँ
- ◆ आर्थिक स्कोर – 12वाँ
- ◆ वित्तीय विकास – 7वाँ
- ◆ इन्फ्रास्ट्रक्चर – 11वाँ

Newspaper of 26 June, 2025

■ **25 जून, 2025 को केन्द्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया की घोषणानुसार राजस्थान नवंबर 2025 में पहली बार 5वें खेलों इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2025 की मेजबानी करेगा। इन 12 दिवसीय खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स का आयोजन 8-22 नवंबर, 2025 को किया जाएगा। इसका आयोजन पूर्णिमा यूनिवर्सिटी और राजस्थान यूनिवर्सिटी, जयपुर द्वारा संयुक्त रूप से किया जाएगा।**

■ **जून, 2025 में राजस्थान के जनजाति विकास मंत्री बाबूलाल खराड़ी द्वारा उदयपुर जिले के कोटड़ा ब्लॉक में 'धरती आबा जनजाति ग्राम उत्कर्ष अभियान' का शुभारम्भ किया गया। यह अभियान राजस्थान के चयनित ग्रामों और ग्राम पंचायतों में 15 जून से 15 जुलाई, 2025 तक आयोजित किया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य राजस्थान में जनजाति समुदाय को सशक्त बनाना, उनके जीवन स्तर में सुधार लाना तथा सरकारी योजनाओं का लाभ ग्रामीण जनजाति परिवारों तक पहुँचाना है।**

उल्लेखनीय है कि इस अभियान के तहत राज्य के 37 जिलों के 207 विकास खंडों में 6019 ग्रामों को विकसित किए जाने का लक्ष्य रखा गया है। इस अभियान के अंतर्गत लगने वाले शिविरों में आधार पंजीयन, आधार अपडेशन, आयुष्मान भारत कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, मूल निवास प्रमाण पत्र, किसान क्रेडिट कार्ड, जनधन खाते, पेंशन स्वीकृति इत्यादि से संबंधित कार्य संपादित किए जाएंगे।

■ **हाल ही में राजस्थान सरकार ने रावतभाटा (चित्तौड़गढ़) के सुखपुरा गाँव में पानी एकत्र कर बिजली उत्पादन के लिए 2560 मेगावाट के पंप स्टोरेज को मंजूरी दी है। यह प्रोजेक्ट 'ग्रीनको' द्वारा सुखपुरा में लगाया जाएगा। इस पम्प स्टोरेज के लिए पानी टाकरदा माला देवी सिंचाई परियोजना और ब्राह्मणी नदी से लिया जाएगा।**

Newspaper of 27 June, 2025

■ **राजस्थान के डीग जिले के बहज गाँव में एएसआइ का शोध : 23 मीटर गहराई पर नदी तंत्र (पैलियो चैनल) नजर आया; खुदाई में 5500 साल पुरानी सभ्यता निकली–**

हाल ही में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआइ) को राजस्थान के डीग जिले के गाँव बहज में 3500 से 1000 ईसा पूर्व की सभ्यता के अवशेष मिले है। यहीं 23 मीटर की गहराई पर एक प्राचीन नदी तंत्र (पैलियो चैनल) भी दिख रहा है। पुरातत्व शोधार्थी इसे ऋग्वेद में वर्णित सरस्वती नदी से जोड़कर देख रहे हैं। दावा है कि यह प्राचीन जल प्रणाली सरस्वती नदी के किनारे पनपी सभ्यता की नींव हो सकती है। मथुरा से पचास किलोमीटर दूर स्थित यह स्थल सरस्वती बेसिन की सांस्कृतिक विरासत को जोड़ने वाली कड़ी है। पाँच माह तक चली खुदाई में हिंदू देवी-देवताओं की मूर्ति के अलावा प्राचीन सभ्यता के आभूषण भी मिले हैं। करीब 4 मीटर गहराई पर एक महिला का कंकाल और चांदी, ताँबे के प्राचीन सिक्के भी बड़ी संख्या मिले हैं। गोवर्धन सड़क मार्ग स्थित जिले के इस गाँव में भगवान श्रीकृष्ण के पौत्र ब्रजनाथ का खेड़ा होने की जानकारी पर एएसआइ ने पिछले वर्ष 10 जनवरी को खुदाई शुरू की थी। अवशेषों पर शोध किया गया है।

वास्तुकला का बेजोड़ नमूना–

1. मिट्टी के खंभों से बनी इमारतें, परतदार दीवारों वाली सुरक्षा के लिए बनाई गई खाई और भट्टियाँ मिलीं। इससे यह अनुमान लगाया जा रहा है कि उस समय की सभ्यता में लोगों को वास्तु कला का ज्ञान था।
2. लोहे और ताँबे की वस्तुएँ मिलने से पता चलता है कि तत्कालीन लोग धातु विज्ञान में निपुण थे। हड्डी से बने औजार, अर्ध-कीमती पत्थरों के मनके और शंख की चूड़ियाँ भी मिली हैं।

बहज का प्राचीन नाम वज नगर–

जैन अभिलेखों में बहज गाँव का उल्लेख वज नगर के रूप में है। यहाँ टीलों का जिक्र भी कंकाली टीलों के रूप में मिलता है। वज नगर से इसके नाम का बहज तद्भव हो गया। गाँव के प्राचीन टीले का अधिकतर भाग आबादी में जा रहा है। यह बृज चौरासी कोस परिक्रमा मार्ग में आता है।

संजीव प्रकाशन, जयपुर
website : www.sanjivprakashan.com

महाभारत काल के बर्तनों का मिला भंडार–

- हड्डी से बने औजार, अर्ध-कीमती पत्थरों के मनके और शंख की चूड़ियाँ, 15 यज्ञ कुंड, शिव-पार्वती की मूर्तियाँ मिली हैं। इनकी आयु 1000 ईसा पूर्व से भी अधिक बताई जा रही है।
- ब्राह्मी लिपी की मुहरें, महाजनपद काल के यज्ञ कुंडों में रेत भरी मिट्टी और छोटो बर्तनों में ताँबे के सिक्के।
- महाभारत काल के बर्तनों का भंडार मिला है। टीले के नीचे दीवारें मिलीं हैं।

■ **26 जून, 2025 को राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन (RCA) द्वारा आयोजित प्रतिष्ठित क्रिकेट टूर्नामेंट 'कॉल्विन शील्ड' को जयपुर की टीम ने जीत लिया है। इस राज्य स्तरीय सीनियर क्रिकेट प्रतियोगिता में जयपुर की टीम ने 10 साल बाद फाइनल में पहुँची श्रीगंगानगर की टीम को हराया। जयपुर ने प्रतियोगिता तीन वर्ष में दूसरी बार जीती है।**

Newspaper of 30 June, 2025

■ **राज्य का पहला प्रवासी राजस्थानी सम्मेलन 10 दिसम्बर, 2025 को जयपुर में आयोजित किया जायेगा। राज्य सरकार प्रवासी राजस्थानियों के लिए एक नया विभाग बना रही है। प्रवासी राजस्थानियों से संबंधित मुद्दों के समाधान के लिए प्रत्येक जिले में अतिरिक्त जिला कलेक्टर को नोडेल अधिकारी बनाया गया है।**

■ **राजस्थान में खनिजों की खोज के लिए अब एआई तकनीक का भी सहयोग लिया जाएगा। इस हेतु पायलट प्रोजेक्ट के तहत भीलवाड़ा, भरतपुर व चित्तौड़गढ़ के कुछ स्थानों को चिह्नित किया गया है। एआई अध्ययन से प्राप्त रिपोर्ट के आधार पर खनिज संभावित चिह्नित स्थानों पर प्राथमिकता से ड्रिलिंग करवाते हुए सेंपल्स का रासायनिक विश्लेषण करवाया जाएगा और उसके आधार पर ब्लॉक तैयार कर नीलामी की जाएगी। उल्लेखनीय है कि वर्तमान में प्रदेश में लगभग 57 मिनरल्स का खनन हो रहा है।**

□□□

संजीव प्रकाशन, जयपुर
website : www.sanjivprakashan.com

संजीव®

50 वर्षों से आपका विश्वसनीय

आपकी सफलता में सदैव आपका सहयोगी

मनोहर सिंह कोटड़ा के मार्गदर्शन में तैयार श्रेष्ठ पुस्तकें

(41 जिलों एवं 7 संभागों पर आधारित नवीनतम संस्करण)

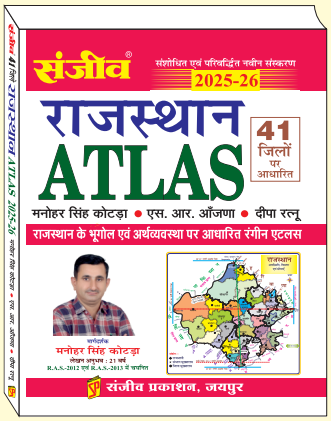

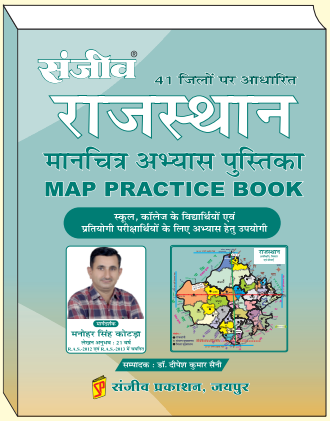

संजीव प्रकाशन द्वारा प्रकाशित प्रमुख पुस्तकें

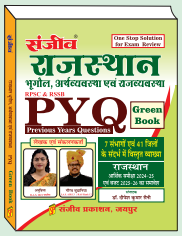

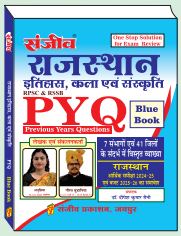

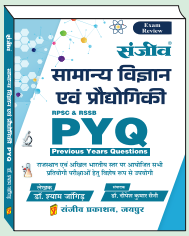

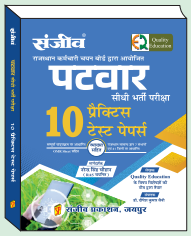

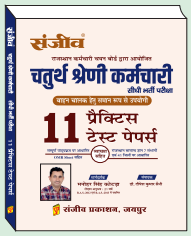

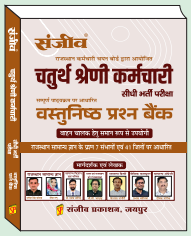

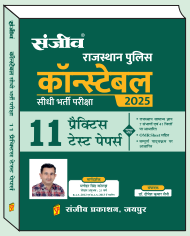

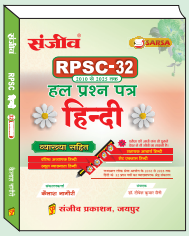

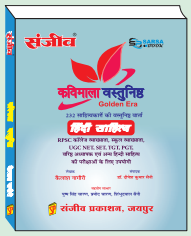

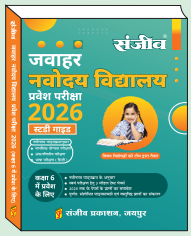

संजीव प्रकाशन

Join Our Telegram

संजीव Telegram चैनल एवं Website से परीक्षा उपयोगी पाठ्य सामग्री निःशुल्क प्राप्त करें। साथ ही संजीव वेबसाइट से आप Books एवं E-Books भी खरीद सकते हैं।

प्रकाशक–संजीव प्रकाशन, जयपुर

Visit us at : www.sanjivprakashan.com